

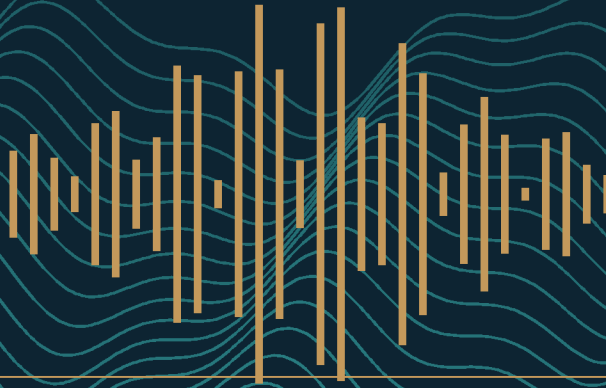
गजेन्द्र ठाकुर समग्रक सम्पादकीय

खण्ड ४६

मैथिली-अंग्रेजी थिसॉरस

स्वयं सीखू मार्गदर्शिका

शब्दकोशविज्ञान आ अर्थविज्ञान



सम्पादक आ समीक्षक : आशीष अनचिन्हार

मूल कृति : गजेन्द्र ठाकुर

विदेह — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

ISSN 2229-547X

गजेन्द्र ठाकुर समग्रक सम्पादकीय

खण्ड ४६

मैथिली-अंग्रेजी थिसॉरस : शब्दकोशविज्ञान आ अर्थविज्ञान

मूल कोशकार : गजेन्द्र ठाकुर

सम्पादकीय समीक्षक : आशीष अनचिन्हार

विदेह — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

पद्धति आ अध्ययनक प्रमाण-सीमा

एहि अध्ययनक आधार संलग्न “Maithili-English Thesaurus — Single-Volume Large-Format Reference Edition”क मूल Word दस्तावेज, ओकर अनुक्रमणिकाक वर्णवार संख्या आ शब्दप्रविष्टिक यान्त्रिक नमूना-परीक्षण अछि। एहि दस्तावेजक सभ अर्थ-साम्यक मानवीय एक-एकटा जाँच सम्पन्न भेल—एहन दावा नहि। यान्त्रिक गणना सम्भावित पुनरुक्ति आ ढाँचागत असमानता बतबैत अछि, अर्थगत दोषक स्वतः प्रमाण नहि।

मूल अनुक्रमक १,४५,१४४ प्रविष्टिक संख्या आ Wordमे उपस्थित १,४५,३३२ अनुच्छेद दू भिन्न मापक अछि। अनुच्छेदमे शीर्षक, अनुक्रम, ग्रन्थ-विवरण आ अलग विभाग शामिल अछि। नियमित हाइफन ढाँचाक आधारपर १,२८,३५२ पंक्ति चिन्हल गेल अछि; शेषकँ गायब प्रविष्टि नहि कहल जा सकैत, कारण सभ पाँतिक संरचना एकसमान नहि।

अनुक्रमणिकाक वर्णवार मूल संख्या

वर्ण	मूल अनुक्रमक प्रविष्टि
अ	10,967
आ	3,377
इ	612
ई	143
उ	2,881
ऊ	155
ऋ	39
ए	1,041
ऐ	184
ओ	521
औ	312

ऑ	27
क	10,339
ख	3,610
ग	4,945
घ	1,637
ङ	35
च	5,380
छ	2,033
ज	3,543
झ	1,275
ञ	9
ट	1,440
ठ	688
ड	1,397
ढ	718
ण	31
त	3,937
थ	520
द	4,449
ध	1,741
न	4,417
प	11,525

फ	2,186
ब	9,183
भ	3,893
म	7,751
य	924
र	3,091
ल	3,546
व	3,385
श	1,868
ष	120
स	12,208
ह	3,127

मुख्य वर्णवार योग : १,३५,२१० । समानार्थी : ६,२१९ । विलोम : ३,७१५ । समग्र
मूल अनुक्रम : १,४५,१४४ ।

01 अक्षरक्रम आ मुख्य पञ्जीक संगठन

कोशक मुख्य खण्ड देवनागरी वर्णक्रममे राखल गेल अछि; अनुक्रमणिकामे प्रत्येक वर्णक अन्तर्गत प्रविष्टिक संख्या स्वतंत्र देल अछि। एहन संख्या-पञ्जी पाठककें केवल अक्षर शोधबाक सहायता नहि, बल्कि कोशक संरचनाक इतिहास पढ़बाक आधार सेहो दैत अछि। स्रोत-अनुक्रमक मुख्य वर्णवार योग १,३५,२१० अछि; एकर संग समानार्थी ६,२१९ आ विलोम ३,७१५ जोड़ला पर कुल १,४५,१४४ होइत अछि।

वर्णवार वितरण अत्यन्त असमान अछि: स, प, अ, क, ब आ म सन खण्ड सघन अछि; ज, ण, ङ आ ऋ सन वर्णक खण्ड छोट अछि। ई असमानता अपनेमे दोष नहि; भाषाक शब्दरचनात्मक प्रकृति आ कोशमे संकलित स्रोतक प्रकार देखबाक आवश्यकता अछि। किसी वर्णमे मुख्य प्रविष्टि छोट रहला पर ओकर यौगिक-रूप आ रूपान्तर कतेक प्रविष्टिक भीतर समाहित अछि, एहि प्रश्नक उत्तर अलग पड़त।

02 प्रविष्टि आ अर्थ-इकाईक अन्तर

कोशमे एकहि शीर्षशब्दक अनेक अर्थ, पद-वर्ग आ क्षेत्रीय अर्थभेद स्वतंत्र पाँतिमे राखल जा सकैत अछि। उदाहरणतः आरम्भिक “अ” शीर्षशब्दक अनेक विवरण एक-दोसरासँ भिन्न अर्थक्षेत्रमे प्रयुक्त अछि। तें शीर्षशब्दक पुनरावृत्तिकें स्वतः अनावश्यक प्रतिलिपि मानल नहि जाय। कोशविज्ञानमे शब्दरूप, अर्थ-विभेद, व्याकरणिक कार्य आ उद्धरण-प्रयोगक सम्बन्ध महत्त्वपूर्ण अछि।

यान्त्रिक परीक्षणमे डैशसँ पहिने शीर्षशब्द निकालि सामान्यीकृत रूपकें गिनल गेल; एहि ढाँचासँ ५२,५४१ अलग शीर्षशब्द-रूप चिन्हल गेल। ई संख्या कोशक पूर्ण विशिष्ट शब्द-संख्या नहि, केवल चिह्नित पंक्तिक सामान्यीकृत शीर्षशब्दक संख्या अछि। देवनागरी वर्तनी, हाइफन, उच्चारण आ शब्दरूप अलग निकासक क्रम बदलि सकैत अछि।

03 अर्थलेखनक द्विभाषिक नीति

मुख्य कोशक बहुसंख्यक पाँतिमे अंग्रेजी अर्थ “English:” चिह्नक संग अछि; किछु पाँतिमे मैथिली अर्थ “अर्थ:” चिह्नक संग विस्तारसँ देल गेल अछि। दूनू संकेतक भिन्न स्थान एहि कोशक विविध स्रोत-विन्यास देखबैत अछि। केवल छोट अंग्रेजी समानार्थी दऽ देब एक अर्थमे पर्याप्त भऽ सकैत अछि, मुदा लोकव्यवहार अथवा प्राविधिक नाम लेल विस्तृत सन्दर्भ चाही।

एक उदाहरणमे “अँकट” खेती-भोजनक स्थानीय अन्नक विवरणक संग रखल अछि; आओर कतहु “अँचर” लेल कपडाक उपयोगानुसार अनेक अर्थ देल अछि। एहि भिन्नतासँ शब्द-अर्थकेँ एक-एक अंग्रेजी शब्दसँ पूरा बराबर करबाक सीमा उजागर होइत अछि। युग्मित अंग्रेजी अर्थमे प्राकृतिक वस्तु, सांस्कृतिक प्रयोग आ व्याकरणिक प्रकारक अन्तर सुरक्षित रहबाक चाही।

04 पदवर्ग चिह्न आ व्याकरणिक अनुशासन

प्रविष्टिमे [n.], [n], [adj.], [adj], [vi], [vt] आ अन्य वर्गसूचक चिह्न सभ भेटैत अछि। भिन्न संक्षिप्त रूप भाषिक सूचना देबाक प्रयास अछि; मुदा एकहि वर्ग लेल अनेक वर्तनी पाठकक खोज आ डिजिटल प्रसंस्करण कठिन बनबैत अछि। कोष्टकभित्रक चिह्नपर मानक सम्पादकीय पञ्जी बनब जरूरी अछि।

यान्त्रिक निकासमे [n.] ६१,५३६ आ [n] १५,५३३ बेर भेटल; [adj.] ७,९३८ तथा [adj] ४,६६१ बेर भेटल। एहि संख्या सँ शब्दवर्गक वास्तविक भाषिक अनुपात निष्कर्ष नहि निकलब, किएक तँ ई केवल चिन्हित ढाँचाक गणना अछि। मुदा वर्गचिह्नक समान्यीकरण आवश्यक अछि—ई स्पष्ट संकेत दैत अछि।

05 पर्याय-सम्बन्धक आलोचना

अनुक्रमणिका समानार्थी विभागमे ६,२१९ प्रविष्टि दर्शबैत अछि। पर समानार्थी शब्दसभ अर्थक सीमा, सामाजिक स्तर, काल वा संदर्भमे सदिखन पूर्णतः एक नहि होइत अछि। कृषिक शब्द, पारम्परिक संबंधसूचक सम्बोधन आ भावावस्था-दर्शक रूप एकहि अंग्रेजी शब्दमे मिलि सकैत अछि, मुदा मैथिलीमे ओकर प्रयोग एकरूप नहि।

मुख्य पाँतिक भीतर “समानार्थीः” चिह्न यान्त्रिक परीक्षणमे १५,९३६ चिन्हित प्रविष्टिमे भेटल। एहन चिह्नक संख्या समानार्थी विभागक ६,२१९ सँ भिन्न प्रकारक संकेत थिक—पहिलटा मुख्य प्रविष्टिक आन्तरिक क्षेत्र, दोसर अलग संकलित विभाग। दुनूकै जोड़ि कुल समानार्थी प्रविष्टिक संख्या मानब दोहराव होयत।

06 विलोम-सम्बन्ध : परस्परता आ अर्थक्षेत्र

विलोम विभागमे ३,७१५ प्रविष्टि अंकित अछि। रूपात्मक निषेध, तर्कगत विपरीतता, क्रमगत विपरीतता आ सांस्कृतिक मूल्यांकनक विरोध एक समान संबंध नहि। “अछि/नहि”, समयगत पहिले/पाछाँ आ नैतिक नीक/खराप समान प्रकारक द्वयी अर्थ नहि बनबैत अछि।

मुख्य प्रविष्टिसभमे “विलोमः” चिह्न यान्त्रिक परीक्षणमे ६,६०४ स्थानपर भेटल। दू भिन्न स्तरक एहि आकलनसँ स्पष्ट अछि जे विलोमक सूची आ अर्थ-क्षेत्रक भीतर उल्लेखक सम्बन्ध अलग रखबाक आवश्यकता अछि। विलोमक दू दिशामे वापसी-सन्दर्भ मिलैत अछि वा नहि, ई प्रश्न पूर्ण डेटा-पञ्जी बना कऽ परखल जाय।

07 कृषि, भोजन आ लोकजीवनक शब्दावली

कोशमे कृषि, भोजन, पाक, वस्त्र आ लोकज्ञानक अभिधान महत्वपूर्ण अछि।

उदाहरण-सहित “अँकट” आ “अँचर” सन प्रविष्टि पाठककें मैथिली शब्दक स्थानिक-सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि। एहि प्रकारक शब्दकें केवल “local farming term” सन सामान्य अंग्रेजी कथनसँ सीमित कयला पर अर्थगत जानकारी कम भऽ सकैत अछि।

किछु प्रविष्टिक अंग्रेजी भागमे “A local agricultural implement term related to ...” सन ढाँचागत अर्थ-वर्णन उपस्थित अछि, मुदा संलग्न मैथिली अर्थ अधिक विशिष्ट वस्तु, पौधा अथवा क्रियाक संकेत करैत अछि। एहि जोड़ीमे अंग्रेजी विवरणक पर्याप्तता अलग मानवीय जाँच चाही। एहन रूपकें बिना मूल क्षेत्रीय साक्ष्य तत्काल गलत अथवा कृत्रिम घोषणा करब उचित नहि।

08 लिपि आ पाठ-विकृतिक परीक्षण

पुरान स्रोतकें संयुक्त कोशमे लए अबैत समय आकारगत अंश, विरामचिह्न, रोमन अक्षर आ देवनागरी मात्रा बिखरि सकैत अछि। आरम्भिक प्रविष्टिमे किछु टूटल रोमन अनुक्रम आ अशुद्ध प्रतीत होएबला शब्द-टुकड़ा देखाइत अछि। ई परिस्थिति पाठान्तर-विवेचनक आवश्यकता देखबैत अछि, मुदा पाठगत संदेह आ निर्णीत शुद्ध रूप एक वस्तु नहि।

प्रथम यान्त्रिक जाँचमे अलग-अलग रोमन अक्षरक विखण्डनक मानदण्डपर ३,०२५ सम्भावित पाँति आ अलग मात्रा-जोड़क सख्त चिह्नपर केवल तीन पाँति चिन्हल गेल। ई नियम बहुत सीमित अछि, तें वास्तविक त्रुटिक पूर्ण गणना नहि; छूटल त्रुटि आ गलत चेतावनी दुनू सम्भव। समीक्षा लेल विशिष्ट नमूना मानवीय निरीक्षणक संग जोड़ल जाय।

09 डिजिटल कोशक कृतिगत उत्तरदायित्व

कोश स्वतन्त्र GitHub परियोजनाक रूपमे प्रस्तुत अछि। शोध-प्रकाशनमे स्थायी संस्करण-पहिचान, स्रोत-ग्रन्थक श्रेय, क्षेत्रीय संग्रहक नाम, उद्धरणक नियम आ संशोधन-इतिहास महत्त्वपूर्ण अछि। संयुक्त Word पञ्जी स्थायी पुस्तक रूप दैत अछि, मुदा डिजिटल डेटाबेसमे प्रत्येक अर्थ-इकाईक स्वतंत्र पहचान होएब भविष्यक संशोधनमे उपयोगी होयत।

मूल प्रस्तुति “Released under appropriate license” सन सामान्य सूचना दैत अछि; एकरा विशिष्ट नामित अनुज्ञाक स्थानापन्न नहि मानल जाय। पुनःप्रयोगक निर्णय लेल वास्तविक लाइसेंसक पाठ, तिथि आ संस्करणक जाँच आवश्यक अछि। एहि विषयमे सम्पादकीय स्पष्टता कोशक शोधगत उपयोग बढ़ाओत।

10 वर्णक्रम आ स्रोत-सम्मत रूपक पुनर्संयोजन

देवनागरी क्रमक कठिन प्रश्न अँ, अः, ड, ज, संयुक्ताक्षर, नुक्ता आ वैकल्पिक वर्तनीक बीच आबैत अछि। कोशमे समानार्थी-विलोमक स्वतंत्र खण्ड स्रोतक उपयोजकता बढ़बैत अछि, मुदा प्राथमिक शीर्षशब्दक स्थिर क्रम निश्चित करबाक लेल एक घोषित वर्णक्रम-नीति आवश्यक अछि।

नुक्ता-युक्त अक्षरक मैथिली लेखनमे सीमित प्रयोग, दैहिक सम्मानसूचक रूप, काल-विभेद आ तत्सम/देशज रूपक उपयोग आदि विषय शैली-निर्देशिकाक अधीन रहत; मुदा ऐतिहासिक स्रोतप्रविष्टि आ उद्धृत मूल शब्द अनावश्यक रूपसँ बदलब नहि। अर्थ-परीक्षण आ भाषिक शुद्धिलेखन परस्पर सहयोगी, मुदा समान सम्पादकीय क्रिया नहि।

11 नमूना-आधारित सत्यापनक प्रस्तावित कसौटी

कोशक वास्तविक मूल्यांकनमे मूल शीर्षशब्द, पदवर्ग, अर्थ-विभेद, अंग्रेजी समतुल्य, क्षेत्रीय प्रयोग, यौगिक शब्द, समानार्थी आ विलोमक आठ परत परखबाक चाही। प्रत्येक चयनित प्रविष्टिमे मूल स्रोतक ठीक स्थान, संशोधनक कारण, जाँचक कर्ता आ अन्तिम स्वीकृत रूप राखल जाय।

विशेषतः बहु-प्रविष्टिबला शीर्षशब्दक सभ अर्थ हटाइ एक पाँतिमे मिलाएब शब्दार्थक हानि उत्पन्न करि सकैत अछि। एकक अर्थ अनिश्चित रहला पर “पुनर्जाँच शेष” शोध-अभिलेखमे स्वच्छ संकेत थिक; पुस्तकक मूल पाठमे अनुमानित अनुवाद डेल देब अनुचित।

यान्त्रिक पञ्जी-परीक्षण : परिणाम आ सीमा

मानदण्ड	संख्या	व्याख्या
Word अनुच्छेद	145,332	मुख्य पाठ, शीर्षक आ अनुक्रम सहित
नियमित डैश-आधारित पाँति	128,352	केवल निश्चित नियमित ढाँचाकें मिलान
सामान्यीकृत शीर्षशब्द-रूप	52,541	अलग अर्थ, वर्तनी भेद आ संरचनागत समरूपता मिश्रित
“English:” चिह्न	111,308	चिह्नक उपस्थिति, समतुल्यक पूर्णता नहि
“अर्थ:” चिह्न	66,410	मुख्य पंक्तिमे आन्तरिक मैथिली विवरण
“समानार्थी:” चिह्न	15,936	मुख्य प्रविष्टिमे क्षेत्र-चिह्न
“विलोम:” चिह्न	6,604	मुख्य प्रविष्टिमे क्षेत्र-चिह्न
विखण्डित रोमन-रूपक सम्भावित उदाहरण	3,025	नियम-आधारित चेतावनी, निर्णीत त्रुटि नहि

निरूपण आ अन्तिम मूल्याङ्कन

एहि कोशक साहित्यिक-अकादमिक उपलब्धि व्यापक शब्दसंग्रहकें अंग्रेजी अर्थसँ जोड़बाक प्रयास अछि। स्थानीय शब्दावली, अर्थक विभेद आ अंग्रेजी अनुपातक अनेक शैली एकत्र होइत अछि। वर्तमान पुस्तकरूपक प्रमाणगत सीमा ई अछि जे स्रोतभेदक कारण पदवर्ग-चिह्न, अर्थक विस्तार आ अनेक शीर्षशब्दक पुनरुक्ति एकहि सम्पादकीय नियममे पूर्णतः नहि बन्हायल देखाइत अछि।

गजेन्द्र ठाकुर समग्रक सम्पादकीय — खण्ड ४६
एकर समाधान यान्त्रिक रूपेँ दोहरायल शब्द हटाएब नहि, बल्कि प्रत्येक अर्थ-
इकाईक स्रोत-विवरण, मानक पदवर्गक सूची, क्षेत्रीय चिह्नक सत्यापन आ
प्रयोग-साक्ष्यक व्यवस्थित पञ्जी अछि। “पर्याय” आ “विलोम” विभागक
आन्तरिक क्रॉस-रेफरेन्स सार्वजनिक डिजिटल संस्करणक उपयोगिता बढ़ा सकैत
अछि।

ई समीक्षा समग्र कोशक अर्थगत शुद्धता प्रमाणित करबाक दावा नहि करैत
अछि; ई स्रोतपाठमे आधारित संपादकीय परीक्षणक पद्धति आ स्पष्ट प्राथमिक
समस्याक विश्लेषण करैत अछि। एहि भेदकेँ स्वीकार करब शोध-समीक्षाक
अनिवार्य प्रामाणिकता अछि।

ग्रन्थाधार

गजेन्द्र ठाकुर। Maithili-English Thesaurus : मैथिली प्रविष्टि संग अंग्रेजी
अर्थ, समानार्थी आ विलोम। विदेहक संयुक्त Word संस्करण; अनुक्रम आ मुख्य
प्रविष्टि-पाठ।

गजेन्द्र ठाकुर समग्रक सम्पादकीय

खण्ड ४६

मैथिली-अंग्रेजी थिसॉरसक लेखन, ध्वनि-विन्यास,
अभिनय, निर्देशन आ प्रकाशनक अध्ययन।
उन्नीस अध्यायक स्वतंत्र साहित्यिक समीक्षा,
“साधु आ वेश्या”क २२५ ध्वनि-संकेतक
परीक्षण आ चारु परिशिष्टक मूल्याङ्कन।

विदेहक मूल साहित्यिक अभिलेख



www.videha.co.in



GitHub Videha Archive

मूल लेखक : गजेन्द्र ठाकुर

सम्पादक : आशीष अनचिन्हार